

हम करसकते हैं कक्षा-आठवीं

विषय-हिंदी

पाठ-1

पाठ का नाम- हम करसकते हैं

PPT-2

CHANGING YOUR TOMORROW

1 हम कर सकते हैं



चिंतन-मनन

जीवन में कभी हार नहीं माननी चाहिए, बल्कि निरंतर आगे बढ़ते रहना चाहिए। चलते रहना ही जीवन का नाम है।

हम कर सकते, हम कर सकते,
बार-बार ये बोलो तुम।
ये काम हमसे नहीं होता,
इस पर होंट न खोलो तुम।

हरदम चौटी चलती रहती,
क्षमता से अति ढोती है।
मछली दिनभर दौड़ लगाती,
फिर भी कब वो सोती है।

गिरकर उठो, उठकर बैठो,
फिर दौड़ लगा दो तुम।

आज का काम आज करो तुम,
कल पर कभी न छोड़ो जी।
हिलमिल कर सब बढ़ते रहना,
सबसे मीठा बोलो जी।

सुबह-सवेरे बिस्तर छोड़ो,
रात में जल्दी सो लो तुम।
हम कर सकते, हम कर सकते,
बार-बार ये बोलो तुम।

—सुनीता यादव



शब्दार्थ –

हरदम - हमेशा

क्षमता - करने की ताकत

अति - बहुत अधिक

ढोती - उठाना

दौड़ - आगे बढ़ना

हिल मिल - मिल जुलकर

बिस्तर - बिछौना

१. हम कर सकते , हम कर सकते , बार - बार ये बोलो तुम ।
ये काम हमसे नहीं होता , इस पर होठ न खोलो तुम ।
हरदम चींटी चलती रहती , क्षमता से अति ढोती है ।
मछली दिनभर दौड़ लगाती , फिर भी कब वह सोती है ।



अर्थबोध - जीवन में हमें कभी हार नहीं माननी चाहिए , बल्कि निरंतर आगे बढ़ते रहना चाहिए । इसीलिए सदैव ' हम कर सकते हैं ' बार - बार बोलना चाहिए । ' हम नहीं कर सकते ' ये बातें मुँह से नहीं बोलनी चाहिए । कवयित्री सुनीता यादव ने चींटी और मछली का उदाहरण देते हुए कहा है कि चींटी आकार में बहुत छोटी है फिर भी वह अपनी शक्ति से अधिक ढोकर चलती रहती है और मछली भी पानी में दौड लगाती है । वह कब सोती है यह पता नहीं । उसी प्रकार हमें बिना थके , बिना रुके अपने कर्तव्य पथ पर आगे बढ़ते रहना चाहिए।

संबंधित प्रश्न(मौखिक सहित लिखित)

१. क्षमता से अधिक कौन ढोती है?
२. २. मछली दिन भर क्या करती है ?
३. ३. हमें अपने कर्तव्य पथ पर आगे बढ़ते रहने के लिए क्या करना चाहिए ?

गृहकार्य - कविता को शब्दार्थ सहित अभ्यास करना।

THANKING YOU
ODM EDUCATIONAL GROUP